वृषभानु की लली से,वो ज़ाम मिल गया है

वृषभानु की लली से,वो ज़ाम मिल गया है
गुज़रा हुं जिस गली से,राधा नाम मिल
गया है
वृषभानु लली....
1.है नसीब मेरे जागे,है रक्किब सारे भागे
रस पिना और पिलाना,सरेआम हो गया
है
गुज़रा हुं जिस गली से,राधा नाम मिल
गया है
वृषभानु लली....
2.तक़दीर से भी ज्यादा,है करंम मेरे न्यारे
कृपा का खेल है ये,सब काम हो रहा है
गुज़रा हुं जिस गली से,राधा राधा नाम
मिल गया है
वृषभानु लली....
3.पागल का नसीब बदला,जब श्री जी ने
अपनाया
धसका बनाले बात अब,राधा नाम ले
लेकर
राधा नाम मिल गया है,राधा नाम मिल
गया है
गुज़रा हुं जिस गली से राधा नाम मिल
गया है
वृषभानु लली....
बाबा धसका पागल पानीपत
फोन:-7206526000

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34006/title/varishbhanu-ki-lali-se--wo-jaam-mil-gya-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |